

Otto Böhlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 1, Petersburg 1855  
१४, ४, ८, १३, ९, १७, २१, १, ९, १३, २. श्रवस्यास दुवस्वान् VS. ३, ३२. १८, ४५.

३८, ७. Der Anlaut nicht abgeworfen nach र und श्रो P. ६, १, ११६.

श्रवसम् s. u. संस mit श्रव.

श्रवस्वत् (von १. श्रवस्) adj. strebend, begierig AV. २, २६, ६.

श्रवस्वन्यं (von स्वन् mit श्रव) adj. brausend, tosend VS. १६, ३४.

श्रवहनम् (von हन् mit श्रव) n. १) das Dreschen, Aushülsen KAT. CR. ५, ४, १४. Vgl. श्रद्धयवहनम्. — २) Lunge JÄG. ३, १४.

श्रवहरणा (von हन् mit श्रव) n. das Wegwerfen KAT. CR. ४, १, १९, २०, ३, १९, २२, ६, ३, २५, ३, १०, ७, ३२, १०, १६, १३, १९. श्रनवं १, १, १०. त्रिप्राक्षावं ein Ortsname २४, ६, ३९.

श्रवहस्त (१. श्रव + हस्त) m. Rücken der Hand H. ३९३.

श्रवहार (von हन् mit श्रव) P. ३, १, १४, ३, १२१, VÄRTT. VOP. २६, ३७, १)

Einladung (निमत्तणा) H. an. ४, २३६. MED. r. २४४. — २) Pause, Einhalt (im Kampf, im Spiel u. s. w.) diess. — ३) Dieb diess. und TRIK. ३, ३, ३२८. — ४) Haifisch oder ein anderes grosses Wasserthier AK. १, २, ३, २१. TRIK. H. १३१. an. MED. — ५) ein vor die Augen zubringendes Ding (उपनेत्रव्य) H. an. MED. — ६) धर्मातर् CABDAR. im CKDR. apostacy, abandoning a sect or cast; re-delivery WILS.

श्रवहारका (wie eben) m. = श्रवलार् ४. CABDAR. im CKDR.

श्रवहार्य (von हन् im caus. mit श्रव) adj. १) der zu erstatten, zu bezahlen anzuhalten ist, mit dem acc.: श्रवहार्या भवेच्छैव — पूर्णे दम्प् M. ८, १९८. — २) was man erstatten lassen muss: श्रवहार्या भवेता तौ (आधिशापनिधिश्च) M. ८, १४५.

श्रवहालिका f. Mauer HÄR. ११८.

श्रवहास (von हन् mit श्रव) m. Scherz BHAG. ११, ४२. BRAHMA-P. in LA. ३७, ७.

श्रवहास्य (wie eben) adj. zu verspotten, dem Spotte ausgesetzt, lächerlich: श्रवहास्यो बलीपासा R. ४, १४, ३१. श्रकार्यमवहास्यं च (प्रधरणम्) ६, ७४, ११.

श्रवहित्या f. Verstellung AK. १, १, १, ३४ (nach BHARATA im CKDR. auch n.). भग्नैरवलज्जादेव्यर्थायाकारगुस्तिरवहित्या SÄH. D. ६९, १६. — Praktisch aus श्रवहित्या das nicht-nach-aussen-Treten.

श्रवहेत् (von हेत् = हेतु mit श्रव) n. und °ला f. Verachtung AK. १, १, ३, २३. H. १४७९. — Vgl. हेत्.

श्रवहेत्तन (wie eben) n. dass. CABDAR. im CKDR.

श्रवहर (von हन् mit श्रव) m. krumme Wege, Ränke, Betrug; s. श्रवहर्.

श्रवाक् s. u. श्रवाच्.

श्रवाकिन् (३. श्र + वा०) adj. nicht redend KHAND. UP. ३, १४, २.

१. श्रवाक् (von ३. श्र + वाच्) adj. sprachlos CAT. BR. १०, ६, ३, २.

२. श्रवाक् (von श्रवाच्) für die Etym. von श्रवका gebildet CAT. BR. १, १, २, २२.

श्रवाकपुष्टी (von श्रवाच् + पुष्ट) f. N. einer Pflanze, *Anethum Sowa* ROXB. AK. २, ४, ५, १८. — Vgl. श्रद्धपुष्टी.

श्रवाकशाख (von श्रवाच् + शाखा) adj. mit nach unten gehenden Ästen, von der *Ficus religiosa* (श्रस्त्रत्वा) KATHOP. ६, १.

श्रवाकश्रुति (श्रवाच् + श्रुति) adj. taubstumm H. ३४८.

श्रवाय (१. श्रव + श्रय) adj. mit geneigter Spitze, gekrümmt AK. ३, २, २०. H. १४५६.

श्रवाचुष (श्रवाच् + मुख) १) adj. mit dem Gesicht nach unten DRAUP.

१, २४. R. ४, ३२, १, ६०, १९. VIÇY. ७, ७, १५. RAGH. २, ६०. — २) m. N. pr. einer Waffe R. ४, ३०, ४.

श्रवाच् (३. श्र + वाच्) adj. ohne Sprache, stumm AK. ३, १, १३. H. ३४९. CAT. BR. १४, ६, ४, ४ = BRH. ÅR. UP. ३, ४, ४, ४.

श्रवाचीन (von श्रवाच्) १) adj. f. श्रा P. ५, ४, ४, ८. abwärts gerichtet, unten befindlich AV. ३, ४, २५. श्रवाचीनान्वज्ञकीन्द्र वज्रेण १३, १३०. श्रवाचीनायं निमित्य (पूर्वम्) AIT. BR. २, १. यदृद्य नामेरवाचीनं श्रीर्षः CAT. BR. १२, १, ७, १, ३, १, १३. ४, २, ४, २, ८, १५. ५, २, १, ४. ८, २, ४, १८. u. s. w. श्रवाचीनशीर्षन् ४, ५, ५, ६. °कृत्त KAU. ८२. — MED. n. १६० heisst es: श्रवाचीनमवागन्धे (?) विपर्यस्ते च; विपर्यस्त उeist auf श्रवाचीन. — २) m. N. pr. eines Königs MBH. १, ३७७०. fg. LIA. I, Anh. XXI.

श्रवाच्य (३. श्र + वा०) adj. १) nicht anzureden: श्रवाच्यो दीक्षितो नामा M. २, १२८. — २) was oder wovon nicht geredet werden darf AK. १, १, ५, २१. H. २६६. श्रवाच्यं वदतो डिह्वा कथं न पतिता तव R. ५, ३६, १। वाच्यावाच्यम् ३, ३३, ७३. Vgl. श्रवाच्येत्. — ३) nicht ausdrücklich bezeichnet; davon nom. abstr. श्रवाच्यत् SÄH. D. ३०, २०.

श्रवाच्येण (श० + दे०) m. die weibliche Scham TRIK. २, ६, २२.

श्रवाजिन् (३. श्र + वा०) m. ein schlechtes Ross: नावीजिनं वाजिनो हासपति R. ३, ५३, २३.

श्रैवाच् (von श्रव् mit श्रव) १) adj. nom. m. श्रवात्, f. श्रैवाची abwärts gerichtet, der untere, unterhalb gelegen (Gegens. ऊर्ध्वः) डुष्प्राच्यो इव्हृतेद्वाचः RV. ४, २५, ६. ऊर्ध्वा श्रैवाची: पुरुषे तिरश्ची: AV. १०, २, १। पञ्चिका नाम घृतचिषेषः पञ्चिभिः कर्पैर्भवति । तत्र परा सर्व उत्ताना: पत्न्यवाच्यो वा तदा पातयितान्यं जयति P. २, १, १०, SCH. mit abl.: यद्वाक्यर्पयव्याः CAT. BR. १४, ६, ४, ३ = BRH. ÅR. UP. ३, ४, ३. श्रैवामुख AK. ३, १, ३३. H. ४५७. श्रैवाची दिक् die untere Richtung, d. h. nach dem Boden hin (sonst ध्रुवा दिक्) VS. २२, २४. CAT. BR. १४, ६, ११, ५ (= BRH. ÅR. UP. ४, २, ४). १, ४, ३, १, १०, २०. २, ५, १, ११. ७, ५, १, ३५. u. s. w. MAITR. UP. in IND. ST. ४, २७९, ५. श्रैवाक्षिरम् adj. M. ३, २४९. ८, ९४. ११, ७३. MATSIOP. ४. DRAUP. ४, २२. R. २, २३, १, ३, १०, ६. ५, ५६, ७८. VIÇY. १०, १७. श्रैवाकफण R. १, १३ in LA. — २) f. °ची Süden AK. १, १, २, ३. H. १६७, SCH. — ३) श्रवाक् adv. nach unten, in die Tiefe H. १८२६. व्यामात्रं तिर्पितस्त्वयाक् ACY. GRBH. ४, १. श्रवाङ्गुरुरिं तिर्पिंगुरुरिम् KAU. ८७. श्रवाङ्गुरकमप्येति M. ४, ७५. Nach KULL.: adj. und = श्रैवामुख, wohl weil an andern Stellen in ähnlicher Verbindung श्रैवाक्षिराः steht.

१. श्रवात् (३. श्र + वात Wind) adj. windlos, nicht vom Winde bewegt, ruhig: श्रानीद्वातं स्वप्न्या तदेकम् RV. ४, १२९, २. मिठूं कृष्णत्यवाताम् १, २८, ७. श्रवाते अप्स्तत्वेति ६, ६४, ४. vom Soma ४, ६८, ७. — १, ६२, १०. AK. ३, ४, ८७. In RV. ४, ३२, ४ sollte man die Betonung श्रवाता: erwarten.

२. श्रवात (३. श्र + वात von वन्) adj. unangefochten, unangestastet: वन्ववातो अस्तृतः RV. ६, १६, २०. वन्ववातो श्रभिदेववीतिम् (पवस्त्र) १, १९, ७. स मृत्सरः पृत्सु वन्ववातः १६, ८. न मृप्यते पुवत्यो ज्वाताः ६, ६७, ७, ६४, ५.

श्रवातल (३. श्र + वात) adj. nicht blähend SUÇR. १, २२१, १७.

श्रवादिन् (३. श्र + वा०) adj. गणा प्राय्यादि.

श्रवान् (von श्रव् mit श्रव) १) m. das Einathmen, s. श्रनवानम्. — २) adj. trocken, von Früchten u. s. w. CABDAR. im CKDR.

श्रवातर् (१. श्रव + श्रतर्) adj. zwischenbefindlich, eingeschlossen: दीक्षा